9-ग्राम श्री

3HEGN1

फैली खेतों में दूर तलक

मखमल-सी कोमल हरियाली,

लिपटीं जिससे रवि की किरणें

चाँदी की सी उजली जाली।

अब रजत स्वर्ण मंजरियों से

लद गईं आम्र तरु की डाली।

झर रहे ढाक, पीपल के दल,

हो उठी कोकिला मतवाली।

महके कटहल, मुकुलित जामुन,

जंगल में झरबेरी झूली।।

फूले आड़ू, नींबू, दाड़िम

आलू, गोभी, बैंगन, मूली।

पीले मीठे अमरूदों में

अब लाल-लाल चित्तियाँ पड़ीं,

पक गए सुनहले मद्दुर बेर

अँवली से तरु की डाल जड़ीं।

लहलह पालक, महमह द्दनिया

लौकी औ सेम फलीं, फैलीं,

मखमली टमाटर हुए लाल,

मिरचों की बड़ी हरी थैली।।

-सुमित्रानंदन पंत

उत्तराखंड राज्य के कौसानी (अल्मोड़ा) में जन्मे सुमित्रानंदन पंत को 'प्रकृति का सुकुमार कवि' कहा जाता है। इनकी रचनाओं में प्रकृति के विभिन्न रूपों का मनोरम वर्णन हुआ है। 'लोकायतन', 'ग्राम्या', 'चिदंबरा', 'ग्रंथि', 'पल्लव' इनकी प्रमुख रचनाएँ हैं।

अभ्यास

शब्दार्थ-

दूर तलक = दूर तक आम्र

तरु = आम के वृक्ष

रवि = सूर्य

मुकुलित = अधखिली

अँवली = छोटा आँवला

दाड़िम = अनार

रजत स्वर्ण मंजरियों से = रुपहले और सुनहले आम के बौरों से

1. **बोध प्रश्न**: उत्तर लिखिए -

(क) खेतों में कैसी हरियाली फैली है ?

(ख) हरियाली से लिपटी सूर्य की किरणें कैसी लगती हैं ?

(ग) आम में बौर कब आते हैं ?

(घ) कोयल किस ऋतु में मतवाली होकर कुहुकती है ?

(ङ) वसंत ऋतु में प्रकृति में क्या-क्या परिवर्तन होने लगते हैं ?

2. नीचे बाईं ओर कविता की कुछ पंक्तियाँ लिखी हुई हैं। दाईं ओर उनसे संबंधित भाव व्यक्त करने वाली पंक्तियाँ गलत क्रम में लिखी गईं हैं। उन्हें सही क्रम में मिलाइए -

चाँदी की सी उजली जाली - मखमल के समान कोमल हरियाली

लद गईं आम्र तरु की डाली - चाँदी के रंग जैसी सफेद जाली

हो उठी कोकिला मतवाली - छोटे आँवले से वृक्ष की डालियाँ लद गईं

अँवली से तरु की डाल जड़ी - आम के वृक्ष की डालें बौर से लद गईं

मखमल सी कोमल हरियाली - कोयल आनंद में मतवाली हो उठी

अब रजत स्वर्ण मंजरियों से - अधखिली जामुन

मुकुलित जामुन - चाँदी और सोने के रंग जैसे आम के बौर से।

3. **भाषा के रंग** -

जाली-डाली: इसी प्रकार के अन्य तुकांत शब्दों को कविता में से ढँूढ़कर लिखिए।

4. **आपकी कलम से** -

(क) किस ऋतु में क्या मिलता है ?

ग्रीष्म ऋतु वर्षा ऋतु शीत ऋतु

फल ....

सब्ज़ी ....

(ख) इनमें से जो भी फल और सब्ज़ी आपको अच्छी लगती है, उस पर छोटी-सी कविता लिखिए। यह भी लिखिए कि यह फल और सब्ज़ी आपको क्यों अच्छी लगती है ?

5. **अब करने की बारी**

जब हम बहुत-सी चीजों को याद रखना चाहते हैं तो उनकी एक सूची बनाते हैं। नीचे दी गई सूचियों को पढ़िए -

होली की सूची ,नए शब्द जो इस सप्ताह मैंने सीखे

रंग, गुलाल, पिचकारी, उपकार, प्रकार, दिशा-निर्देश

रंग-बिरंगी टोपी, गुब्बारे, नए कपड़े, अविरल, प्रवाह, सुगति

गुझिया, हलवा, मिठाइयाँ, मुखौटे

अब आप भी अपनी सूची बनाइए -

जो चीजें आपको बाजार से खरीदनी हैं- अगले रविवार को जो काम आपको करने हैं-

आप इस तरह की और भी सूचियाँ बना सकते हैं।

6. **मेरे दो प्रश्न**: इस कविता के आधार पर दो सवाल बनाइए -

7. **इस कविता से** -

(क) मैंने सीखा - ....

(ख) मैं करूँगी/करूँगा - ....